NAVBHARAT TIMES, Delhi, 18.11.2023
Page No. 8, Size:(11.24)cms X (17.99)cms.

10 कोच की होगी पहली बुलेट ट्रेन, प्लेन जैसी सीटें, लग्ज़री वॉशरूम

अधिकारियों ने कहा, हवाई जहाज़ से भी आरामदायक होंगी सीटें

जापान की शिनकानसेन E-5 सीरीज़ बुलेट ट्रेन की तरह होगी

Maneesh.Aggarwal@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** मुंबई से गुजरात के साबरमती के बीच चलने वाली भारत की बुलेट ट्रेन जापान की शिनकानसेन E-5 सीरीज बुलेट ट्रेन की तरह ही होगी, लेकिन इसे भारतीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जा रहा है। 690 यात्रियों को सफर कराने की क्षमता रखने वाली इस ट्रेन में हवाई जहाज की तरह ही फर्स्ट क्लास, बिजनेस क्लास और इकॉनमी क्लास यानी स्टैंडर्ड क्लास होगी। जबकि फ्लाइट से भी कहीं अधिक आरामदायक और लग्जरी सीटें होंगी। ट्रेन की और भी कई खूबियों के बारे में नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में यह ट्रेन 10 कोच वाली होगी। बाद में जरूरत के मुताबिक इसे 16 कोच तक का किया जा सकेगा।

NBT स्पेशल

रीडिंग लैंप की सुविधा भी होगी: ट्रेन के अंदर कोच में हवाई जहाज की तरह ही लगेज रखने के लिए ओवरहेड लगेज रैक होगी। दो सीटों के बीच लेग स्पेस में भी कोई कमी नहीं होगी। फर्स्ट और बिजनेस क्लास की सीटें मूव कर सकेंगी। इनमें एलईडी लाइटिंग के साथ ही रीडिंग लैंप की सुविधा भी दी जाएगी। ताकि ट्रेन के अंदर कोई कुछ पढ़ना या काम करना चाहे तो वह भी कर सके। साबरमती से मुंबई के बीच 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली इस ट्रेन का 2026 में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन किया जाएगा। 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी।

एलईडी लाइटिंग के साथ ही रीडिंग लैंप की सुविधा भी दी जाएगी।

ट्रेन के अंदर प्लेन से ज्यादा स्पेस वाला टॉयलेट भी होगा।

ब्रेस्टफीडिंग के लिए अलग कमरा भी

ट्रेन में लोगों की सहूलियत के लिए एक अलग कमरा भी होगा जहां कोई महिला अपने बच्चे को दूध पिलाना चाहे तो उन्हें एकांत मिलेगा। साथ ही कोई यात्री बीमार होगा तो भी उस रूम में वह आराम कर सकेगा।

फर्स्ट क्लास में 15 सीट होंगी, जबकि बिजनेस में 55 और इकॉनमी में 620 यात्री बैठ सकेंगे

जापान की बुलेट ट्रेन की तरह होगा लुक, भारत में डिजाइन किया जा रहा, लेकिन रंग में हो सकता है कुछ बदलाव

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 18.11.2023
Page No. 12, Size:(21.42)cms X (13.55)cms.

10 कोच की होगी पहली बुलेट ट्रेन, प्लेन जैसी सीटें, लग्ज़री वॉशरूम

अधिकारियों ने कहा, हवाई जहाज़ से भी आरामदायक होंगी सीटें, जापान की शिनकानसेन E-5 सीरीज़ बुलेट ट्रेन की तरह होगी

Maneesh.Aggarwal@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** मुंबई से गुजरात के साबरमती के बीच चलने वाली भारत की बुलेट ट्रेन जापान की शिनकानसेन E-5 सीरीज बुलेट ट्रेन की तरह ही होगी, लेकिन इसे भारतीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जा रहा है। 690 यात्रियों को सफर कराने की क्षमता रखने वाली इस ट्रेन में हवाई जहाज की तरह ही फर्स्ट क्लास, बिजनेस क्लास और इकॉनमी क्लास यानी स्टैंडर्ड क्लास होगी। जबकि फ्लाइट से भी कहीं अधिक आरामदायक और लग्जरी सीटें होंगी। ट्रेन की और भी कई खूबियों के बारे में नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में यह ट्रेन 10 कोच वाली होगी। बाद में जरूरत के मुताबिक इसे 16 कोच तक का किया जा सकेगा।

NBT स्पेशल

रीडिंग लैंप की सुविधा भी होगी: ट्रेन के अंदर कोच में हवाई जहाज की तरह ही लगेज रखने के लिए ओवरहेड लगेज रैक होंगी। दो सीटों के बीच लेग स्पेस में भी कोई कमी नहीं होगी। फर्स्ट और बिजनेस क्लास की सीटें मूव कर सकेंगी। इनमें एलईडी लाइटिंग के साथ ही रीडिंग लैंप की सुविधा भी दी जाएगी। ताकि ट्रेन के अंदर कोई कुछ पढ़ना या काम करना चाहे तो वह भी कर सके। साबरमती से मुंबई के बीच 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली इस ट्रेन का 2026 में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन किया जाएगा। 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी।

एलईडी लाइटिंग के साथ ही रीडिंग लैंप की सुविधा भी दी जाएगी।

ट्रेन के अंदर प्लेन से ज्यादा स्पेस वाला टॉयलेट भी होगा।

ब्रेस्टफीडिंग के लिए अलग कमरा

ट्रेन में लोगों की सहुलियत के लिए एक अलग कमरा भी होगा जहां कोई महिला अपने बच्चे को दूध पिलाना चाहे तो उन्हें एकांत मिलेगा। साथ ही कोई यात्री बीमार होगा तो भी उस रूम में वह आराम कर सकेगा।

फर्स्ट क्लास में 15 सीट होंगी, जबकि बिजनेस में 55 और इकॉनमी में 620 यात्री बैठ सकेंगे

जापान की बुलेट ट्रेन की तरह होगा लुक, भारत में डिजाइन किया जा रहा, लेकिन रंग में हो सकता है कुछ बदलाव

NAVBHARAT TIMES, Lucknow, 18.11.2023
Page No. 11, Size:(12.73)cms X (21.60)cms.

10 कोच की होगी पहली बुलेट ट्रेन, प्लेन जैसी सीटें, लग्ज़री वॉशरूम

अधिकारियों ने कहा, हवाई जहाज़ से भी आरामदायक होंगी सीटें

जापान की शिनकानसेन E-5 सीरीज़ बुलेट ट्रेन की तरह होगी

Maneesh.Aggarwal@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** मुंबई से गुजरात के साबरमती के बीच चलने वाली भारत की बुलेट ट्रेन जापान की शिनकानसेन E-5 सीरीज बुलेट ट्रेन की तरह ही होगी, लेकिन इसे भारतीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जा रहा है। 690 यात्रियों को सफर कराने की क्षमता रखने वाली इस ट्रेन में हवाई जहाज की तरह ही फर्स्ट क्लास, बिजनेस क्लास और इकॉनमी क्लास यानी स्टैंडर्ड क्लास होगी। जबकि फ्लाइट से भी कहीं अधिक आरामदायक और लग्जरी सीटें होंगी। ट्रेन की और भी कई खूबियों के बारे में नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में यह ट्रेन 10 कोच वाली होगी। बाद में जरूरत के मुताबिक इसे 16 कोच तक का किया जा सकेगा।

NBT स्पेशल

रीडिंग लैंप की सुविधा भी होगी: ट्रेन के अंदर कोच में हवाई जहाज की तरह ही लगेज रखने के लिए ओवरहेड लगेज रैक होंगी। दो सीटों के बीच लेग स्पेस में भी कोई कमी नहीं होगी। फर्स्ट और बिजनेस क्लास की सीटें मूव कर सकेंगी। इनमें एलईडी लाइटिंग के साथ ही रीडिंग लैंप की सुविधा भी दी जाएगी। ताकि ट्रेन के अंदर कोई कुछ पढ़ना या काम करना चाहे तो वह भी कर सके। साबरमती से मुंबई के बीच 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली इस ट्रेन का 2026 में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन किया जाएगा। 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी।

एलईडी लाइटिंग के साथ रीडिंग लैंप की सुविधा भी दी जाएगी।

ट्रेन के अंदर प्लेन से ज्यादा स्पेस वाला टॉइलेट भी होगा।

ब्रेस्टफीडिंग के लिए अलग कमरा भी

ट्रेन में लोगों की सहूलियत के लिए एक अलग कमरा भी होगा जहां कोई महिला अपने बच्चे को दूध पिलाना चाहे तो उन्हें एकांत मिलेगा। साथ ही कोई यात्री बीमार होगा तो भी उस रूम में वह आराम कर सकेगा।

फर्स्ट क्लास में 15 सीट होंगी, जबकि बिजनेस में 55 और इकॉनमी में 620 यात्री बैठ सकेंगे

जापान की बुलेट ट्रेन की तरह होगा लुक, भारत में डिजाइन किया जा रहा, लेकिन रंग में हो सकता है कुछ बदलाव